हिन्दुस्तानी एकेडेमी उत्तर प्रदेश, प्रयागराज

(भाषा विभाग उ.प्र. सरकार के नियंत्रणाधीन संस्था)

एवं

रामसहाय राजकीय महाविद्यालय बैरी, शिवराजपुर, कानपुर नगर

के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

(हाईब्रिड मोड)

हिन्दी पत्रकारिता के दो सौ वर्ष

दिनांक : 14 एवं 15 मार्च 2026

आयोजन स्थल- छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

महाविद्यालय की वेबसाइट rsgdc.ac.in

मुख्य संरक्षक

प्रो0 (डॉ0) बी .एल. शर्मा

निदेशक, उच्च शिक्षा विभाग, उ0प्र0
प्रयागराज

सह-मुख्य संरक्षक

प्रो0 (डॉ0) अजीत कुमार सिंह

सचिव, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, उ0प्र0, प्रयागराज

संरक्षक

प्रो0 (डॉ0) राजेश प्रकाश
क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी
कानपुर मण्डल, कानपुर

प्रो0 (डॉ0) अपर्णा सिंह
प्राचार्य, रामसहाय राजकीय महाविद्यालय
शिवराजपुर, कानपुर नगर

डॉ0 सुमन शुक्ला
संयोजक

डॉ0 आलोक कुमार पाण्डेय
आयोजन सचिव

श्री दिलीप कुमार राठौर
सह आयोजन सचिव

हिन्दुस्तानी एकेडेमी उत्तर प्रदेश प्रयागराजः

हिन्दुस्तानी एकेडेमी एक प्रतिष्ठित हिन्दुस्तानी सेवा संस्था है जिसकी स्थापना सन् १९२७ में हुई थी। इसका मुख्यालय प्रयागराज में स्थित है। हिन्दी व उसकी सहयोगी भाषाओं को समृद्ध व लोकप्रिय बनाने में एकेडेमी का योगदान अविस्मरणीय है। राष्ट्रभाषा को विश्व की प्रमुख भाषाओं के समकक्ष बैठाना और उसकी सर्वांगीण उन्नति ही एकेडेमी का संकल्प है। इस संकल्प को पूरा करने में एकेडेमी का आदर्श भवभूति के उत्तररामचरितम् से लिया गया है। यह है -विन्देम देवतां वाचम्ः अर्थात् हम देवताओं की वाणी प्राप्त करें।

रामसहाय राजकीय महाविद्यालय बैरी, शिवराजपुर, कानपुर नगर की स्थापना एवं इतिहास

शिवराजपुर क्षेत्र की जनता की आशाओं एवं आकाँक्षाओं के परिणाम स्वरूप बैरी शिवराजपुर, कानपुर नगर मे रामसहाय राजकीय महाविद्यालय की स्थापना जुलाई 1993 में हुई । यह महाविद्यालय बर्राजपुर रेलवे स्टेशन से 200 मीटर की दूरी पर स्थित है, जहां आवागमन की पर्याप्त सुविधायें उपलब्ध है । महाविद्यालय की स्थापना में चौ0 रामसहाय ट्रस्ट का विशेष योगदान रहा है जिसके द्वारा महाविद्यालय की स्थापना हेतु 11.8 एकड़ भूमिदान स्वरूप उ0प्र0 शासन को दी गयी। इसी भूमि पर शासन द्वारा प्रशानिक भवन एवं विज्ञान संकाय भवन एवं वाणिज्य संकाय एवं परास्नातक संकाय/कम्प्यूटर केन्द्र का भवन निर्मित है। महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर कलासंकाय में अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, इतिहास एवं शारीरिक शिक्षा विज्ञान संकाय में रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित, वनस्पतिविज्ञान एवं जन्तुविज्ञान, भाषासंकाय में एम0ए0 (हिन्दी) विषय से अध्ययन अध्यापन कार्य किया जा रहा है। उच्चशिक्षा में गुणवत्ता के लक्ष्य के प्रति महाविद्यालय कृत संकल्प है । माननीय मुख्यमंत्री जी के संरक्षण एवं नेतृत्व में प्रदेश के बहुमुखी एवं सुनियाजित विकास के लिए समाज की आवश्यकताओं एवं अपेक्षाओं के अनुरूप भविष्य की सम्भावनाओं को ध्यान में रखे हुए उच्चशिक्षा को सर्वसुलभता के साथ - साथ गुणात्मक सुधार लाने एवं इसके आधुनिकीकरण की दशा में नये आयाम जोड़ते हुए पारम्परिक शिक्षा से आधुनिक शिक्षा की ओर गतिमान करते हुए नये आयाम जोड़े जाने हेतु शासन ने शीघ्र ही रोजगारपरक शिक्षा को महाविद्यालय में उपलब्ध कराने हेतु निर्णय लिया है, जिससे उच्चशिक्षा अधिक और अर्थपूर्ण होकर समाज के दलित शोषित एवं पिछड़े वर्ग के लिए भी सुलभ एवं उपयोगी हो सके। इसी क्रम में शासन द्वारा महाविद्यालय में मुख्यमंत्री निःशुल्क का अभ्युदय कोचिंग योजना संचालित है। महाविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली से 2F एवं 12(B) धारा के अर्न्तगत मान्यता प्राप्त हो गयी है जिससे महाविद्यालय को उपकरण, पुस्तकालय एवं अन्य दिशाओं में उच्चीकरण का मार्ग प्रशस्त हो गया है। महाविद्यालय राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) बंगलौर द्वारा बीग्रेड से प्रत्यायित रहा है।

इस महाविद्यालय में नियमित कक्षाओं के साथ समय समय पर शिक्षणेत्तर गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। महाविद्यालय के विज्ञान संकाय की समस्त प्रयोगशालाएं आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है, पुस्तकालय तथा वचानालय में उत्कृष्ट् पुस्तकें समाचार पत्र पत्रिकायें तथा सन्दर्भित ग्रन्थ उपलब्ध है तथा रोवर्स रेन्जर्स, एन0एस0एस0 एवं क्रीडा आदि के माध्यम से छात्र/छात्राओं के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है ।

संगोष्ठी का विषय

''हिंदी पत्रकारिता के दो सौ वर्ष'' विषय पर आयोजित यह राष्ट्रीय संगोष्ठी हिंदी पत्रकारिता की द्विशताब्दी यात्रा का अकादमिक, ऐतिहासिक और समकालीन परिप्रेक्ष्य में सम्यक् मूल्यांकन करने का एक गंभीर प्रयास है। इसका उद्देश्य केवल अतीत का स्मरण करना नहीं, बल्कि पत्रकारिता की उस वैचारिक परंपरा को समझना है जिसने भारतीय समाज में जनचेतना, राष्ट्रीयता, भाषा विकास और लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ किया।

इस संगोष्ठी के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं

''हिंदी पत्रकारिता की ऐतिहासिक यात्रा का पुनर्पाठ''

उदन्त मार्तण्ड (1826) से प्रारंभ होकर वर्तमान डिजिटल युग तक हिंदी पत्रकारिता के विकासक्रम, उसके संघर्ष, स्वरूप परिवर्तन तथा वैचारिक आधारों का अध्ययन करना। राष्ट्रीय चेतना और सामाजिक परिवर्तन में भूमिका का विश्लेषण'स्वतंत्रता आंदोलन, सामाजिक सुधार, स्वदेशी भावना, लोकतांत्रिक मूल्य तथा जनजागरण में हिंदी पत्रकारिता के योगदान को रेखांकित करना। भाषा, साहित्य और पत्रकारिता के अंतर्संबंध को समझना'हिंदी भाषा के मानकीकरण, संविधान तथा साहित्यिक अभिव्यक्ति को जनभाषा से जोड़ने में पत्रकारिता की भूमिका का अकादमिक मूल्यांकन करना। क्षेत्रीय पत्रकारिता और लोक सरोकारों का अध्ययन जनपदीय चेतना, स्थानीय मुद्दों, लोकसंस्कृत तथा समाज के वंचित वर्गो की आवाज को मंच प्रदान करने में हिंदी पत्रकारिता के योगदान पर विमर्श करना। समकालीन चुनौतियों और संभावनाओं पर विचार विमर्श वैश्वीकरण, बाजारवाद, तकनीकी परिवर्तन, सोशल मीडिया, फेक न्यूज, मीडिया नैतिकता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे मुद्दों के संदर्भ में हिंदी पत्रकारिता की वर्तमान स्थिति का विश्लेषण करना। डिजिटल युग में हिंदी पत्रकारिता की नई दिशाओं की खोज' प्रिंट से डिजिटल संस्करण, भाषा प्रौद्योगिकी, ऑनलाइन पत्रकारिता, जनसंचार के नए माध्यमों और युवा पीढ़ी की भूमिका को समझना।

शोध एवं अकादमिक अध्ययन को प्रोत्साहन

विभिन्न विषयों इतिहास, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, भाषा विज्ञान, मीडिया अध्ययन आदि के विद्वनों के मध्य अंतर्विषयी (Interdisciplinary) संवाद स्थापित करना।

नई पीढ़ी को पत्रकारिता की वैचारिक विरासत से जोड़ना विद्यार्थियों और शोधार्थियों को हिंदी पत्रकारिता की मूल्यपरक परंपरा, सामाजिक उत्तरदायित्व और लोकतांत्रिक भूमिका से परिचित कराना।

अपेक्षित परिणाम

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में देशभर से प्रख्यात शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं एवं मीडिया विशेषज्ञों की सहभागिता एवं शोधपत्र प्रस्तुतिकरण एवं अकादमिक विमर्श, हिंदी पत्रकारिता की द्विशताब्दी पर विशिष्ट व्याख्यान, युवा शोधार्थियों के लिए संवाद का मंच प्रस्तुत करता यह सेमिनार संबंधित विषय पर अनुदघाटित तथ्यों पर प्रकाश डालेगा ।यह सेमिनार हिंदी पत्रकारिता के अतीत, वर्तमान और भविष्य के मध्य एक सृजनात्मक सेतु स्थापित करने का प्रयास है।

उपविषय

1. हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास उदन्त मार्तण्ड से डिजिटल युग तक
2. राष्ट्रीय आंदोलन में हिंदी पत्रकारिता की भूमिका
3. औपनिवेशिक प्रतिरोध और जनजागरण के माध्यम के रूप में हिंदी प्रेस
4. क्षेत्रीय इतिहास लेखन में हिंदी समाचार पत्रों का योगदान
5. कानपुर सहित उत्तर भारत में हिंदी पत्रकारिता की ऐतिहासिक परंपरा
6. सामाजिक परिवर्तन और जनमत निर्माण में हिंदी पत्रकारिता की भूमिका
7. ग्रामीण समाज और लोकसंस्कृति के संरक्षण में हिंदी समाचार पत्र
8. मीडिया और सामाजिक उत्तरदायित्व: एक समाजशास्त्रीय अध्ययन
9. क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था के विकास में हिंदी प्रेस की भूमिका
10. खेल पत्रकारिता का विकास और हिंदी मीडिया
11. हिंदी समाचार पत्रों में खेल संस्कृति का निर्माण
12. ग्रामीण खेलों और पारंपरिक क्रीड़ाओं के प्रचार में पत्रकारिता की भूमिका
13. ओलंपिक एवं राष्ट्रीय खेलों के संदर्भ में हिंदी खेल पत्रकारिता
14. प्रिंटिंग तकनीक से डिजिटल प्रकाशन तक विज्ञान और पत्रकारिता का संबंध
15. संचार तकनीक का विकास और हिंदी मीडिया का प्रसार
16. वैज्ञानिक चेतना के प्रसार में हिंदी पत्रकारिता का योगदान
17. जनमत सर्वेक्षण, चुनावी विश्लेषण और गणितीय मॉडल
18. स्वास्थ्य पत्रकारिता और जनस्वास्थ्य जागरूकता
19. जीवन विज्ञान के लोकप्रियकरण में हिंदी पत्रकारिता
20. पोषण, स्वास्थ्य और जीवन शैली संबंधी लेखन की परंपरा
21. विज्ञान एवं समाज के बीच सेतु के रूप में हिंदी मीडिया
22. पर्यावरण संरक्षण और हिंदी पत्रकारिता
23. कृषि, जैव विविधता और ग्रामीण विकास विषयक पत्रकारिता
24. भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रसार में हिंदी पत्र-पत्रिकाएं
25. प्राच्य विद्या और भारतीयता के संरक्षण में मीडिया
26. मीडिया नैतिकता (Media Ethics) और उत्तरदायित्व
27. हिंदी पत्रकारिता और राष्ट्र निर्माण
28. हिंदी पत्रकारिता का भविष्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल मीडिया
29. भाषा, तकनीक और लोकतंत्र का अंतर्संबंध
30. सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और हिन्दी पत्रकारिता

दो दिवसीय संगोष्ठी का सत्रवार विवरण

प्रथम दिन

1. उद्घाटन सत्र (Inaugural Session): प्रात: 10:30 से 12:30 तक
चाय के लिए विराम 12:30 से 1:00
2. प्रथम तकनीकी सत्र (First technical Session) : दोपहर : 01:00 से 2:30
भोजनावकाश (Lunch Break): दोपहर 2:30 से 3:30
3. द्वितीय तकनीकी सत्र (Second Technical Session): अपराह्न 3:30 से 5:30
(रात्रि में रुकने वाले अतिथियों के लिए भोजन रात्रि 8:00 बजे)

द्वितीय दिन

1. तृतीय तकनीकी सत्र (Third Technical Session) : प्रात: 10:30 से 12:00 बजे
चाय के लिए विराम 12:00 से 12:30 शोध-सार वाचन समानान्तर सत्र,
ऑफलाइन/ऑनलाइन -12:30 से 2:00 बजे
भोजनावकाश (Lunch Break) : दोपहर 2:00 से 3:00
2. समापन सत्र (Validictory Session) अपराह्न 3:00 बजे से

आयोजन समिति

प्रो0 (डॉ0) मुहम्मद अखलाक
डॉ0 अजय कुमार
डॉ0 शिखा यादव
डॉ0 विजय कुमार गुप्ता
डॉ0 राकेश कुमार
डॉ0 सत्येन्द्र कुमार
डॉ0 नीलम सोनी
डॉ0 दीप्ति अग्रवाल
डॉ0 निधि
डॉ0 सौरभ पोरवाल

मार्गदर्शक मण्डल (परामर्श समिति)

प्रो0 शशि कपूर , संयुक्त शिक्षा निदेशक, उच्च शिक्षा प्रयागराज उत्तर प्रदेश

प्रो0 विनय कुमार पाठक, कुलपति छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

डॉ0 दिलीप सरदेसाई पूर्व प्राचार्य एवं संगठन मंत्री, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, उ0प्र0

प्रो0 राजवंत राव प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग, दी,द,उ ,गो, वि .,वि गोरखपुर

प्रो0 (डॉ0) ओम जी उपाध्याय सदस्य सचिव ICHR

प्रो0 योगेन्द्र प्रताप सिंह, निदेशक गोविंद वल्लभ पंत संस्थान झूँसी, प्रयागराज, उ0प्र0

प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी प्रतिकुलपति छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

प्रो0 (डॉ0) रिपुदमन सिंह, पूर्व क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, कानपुर मण्डल कानपुर

प्रो0 राजेश कुमार द्विवेदी, निदेशक सी .डी .सी छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

प्रो0 सुधीर कुमार चौहान, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी बरेली मण्डल

प्रो0 (डॉ0) अश्वनी कुमार मिश्रा, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी लखनऊ मंडल

प्रो0 सुशील बाबू, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी , झाँसी मण्डल

प्रो0 अनिल कुमार मिश्रा, प्रबुद्ध प्रकोष्ठ संयोजक उ0प्र0

प्रो0 पुरूषोत्तम सिंह, प्राचार्य, महाराजा बलवन्त सिहं पी .जी . कॉलेज गंगापुर वाराणसी

श्री अनूप शुक्ला, महासचिव, कानपुर इतिहास समिति, 1946

पंजीयन, शोध सारांश एवं शोध आलेख हेतु निर्देश

12 मार्च, 2026 तक लगभग 300 शब्दों का शोध - सारांश Kruti Dev 010 में निधारित मेल पर प्रेषित करें।

14 मार्च, 2026 तक लगभग 2000 शब्दों का शोध - सारांश Kruti Dev 010 में निधारित मेल पर प्रेषित करें।

चयनित शोध आलेखों का प्रकाशन हिन्दुस्तानी एकेडमी, उ0प्र0, प्रयागराज द्वारा ISBN नं0 के साथ किया जायेगा।

शोध-सार तथा शोध पत्र भेजने का ई- मेल rsahaikn27@gmail.com

पंजीकरण लिंक https://forms.gle/aXFXrz6QJDgKLPYd8

पंजीकरण शुल्क

शिक्षाविद् / प्राध्यापक - रू 600/-

शोध छात्र - रू 300/-

विद्यार्थी - रू 200/-

पंजीकरण शुल्क में आवास शुल्क शामिल नहीं है।

पर पंजीकरण शुल्क भेजने के लिये बैंक खाता का विवरण

A/C No : 30822046696
scan and pay
IFSC CODE :& SBIN0011203
Bank Name : State Bank of India

SCAN & PAY

UPI ID: 30822046696@sbi